

ལྷ་མོ། གཏག་བཞི་རྒྱ་རྒྱུ་ཅས་ངས་མ་ཚོད་མ་དོར་བསྐྱས་ནེས་ཕྱ་བ་བཀའ་སྤྲུལ་སྟེ།

[illegible]

[illegible]

མོགས། །མཁོན་ལྷུ་བས་ལྷོང་གྲོགས་ཕྱིར་པའི་ལྷ། །ཇི་སྟོན་མཆོས་ཀྱུན་གནས་འདིར་གཤེགས། །ཕྱི་
ནམ་དག་ཆོས་དཀྱིལ་རང་བཞིན་ལ། །ཏིང་འཛིན་ལྷགས་ཀྱས་ཕྱིར་བསྐྱབས་པའི། །མཆོང་གཏོར་
དམ་ཚུས་ལྷན་གཟིགས་ཆོགས། །ལྷོང་གསུམ་ཕྱིར་ཀྱུན་བཀའ་སྟེན་བུ། །ཐབྱང་པའི་ཤིང་སྤྱ་སྤྱན་
སྤྱ་མོགས། །མཐུན་ཚུས་བསྟེན་པ་པའི་དུ་པའི་སྟེན། །འདོད་ཀྱི་མཆོང་པ་རྒྱ་ཆར་པ་ལ། །ཐམས་ཅད་
མཛོད་ཀྱི་ལོངས་སྟོང་འདི། །ཤུ་མ་པོ་དམ་དཀོན་མཆོག་གསུམ། །ཆོས་མེད་ལྷུང་མ་ནམས་པའབུ།
བཞེས་ནས་མཆོག་དང་ཐུན་མེད་ཀི། །དོས་ཀྱུ་མ་སྤྱ་སྤྱ་དུ་གསོལ། །ཕྱིར་པར་ལུས་དང་གྲིབ་མ་བཞིན།

१२५

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ ॥ ^ॐयेकस्य वा शक्यं स एव च स्रष्टुं स रक्षितुं वा दयत्यस्य
नित्यं सृष्ट्वा वा नष्टं स्रष्टुं ॥

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ २ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ ५ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ ८ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ ११ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ १४ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ १७ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ २० ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ २१ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ २३ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ २४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ २६ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ २७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥ कुरु दशरथः परकर्मसुदृढमनुजः ॥ २९ ॥ द्रुपदो ब्रह्मर्षिः परमहंसः ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥
 यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥
 यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥
 यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वाग्यं वा ॥

四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गावसादकुय्यशुप्रवासापसेरशवेयसायः सुवादेवागीतरसुवाशुददको
रकुयसायः सुवासाददशुवासाकुळसाश्वंदवसाः वाशिवहेसायसायसाय
यैरसंश्रीमीसुयसायसायमळवळशुळसायवीरवीरश्रीवावसायशुयसायदद
यादशुयसायसायदुळैदसायशुदवसायसायदुळुळुळुषसायसायः सुयसाय
श्रीशुशुळैवसायशुवावसायदश्रीसायसुवासायवीरश्रीसायशुयसायः शिवेसायददयउद

दमरातावता रकेवापुण्ड्र ररुवा ता राः दयुगतापुण्ड्र पपुण्ड्र राः वस्रव
दवपुठि री री री री देव यउगा दु ररु रः ॐ ववे दूव ठवठु रा दद कुंद य र
पठद य री द य त्प दूव सु म द य व ता यै य ग र व देव य ददः तदस कु त्प
के त्प यै x दपो र दूव x यी दं दूय र यै र यै त्प दू के व ता व र यै x वा वा व ता
वा रू यै त्प मा य र यै व वा ता यै x द य त्प वा यै व द वा य के त्प दू द ता यै

ॐ ॥ य सु द म र्क स ॥ ५ ॥ य स य सु द य र द य द क स य य र ग र
 य के र य सु द य र य सु के र य र व र ॥ ६ ॥ क स र्क स य र द य र ठ य र
 य सु य य सु य य र य र य सु द य र य य य य र य र य र य र
 य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र
 य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र य र

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥
अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥
अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥
अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥
अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥
अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥

(Faint handwritten Devanagari script)

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं भवतु मे भगवन् ॥ सुखं भवतु मे भगवन् ॥
सुखं भवतु मे भगवन् ॥ सुखं भवतु मे भगवन् ॥
सुखं भवतु मे भगवन् ॥ सुखं भवतु मे भगवन् ॥
सुखं भवतु मे भगवन् ॥ सुखं भवतु मे भगवन् ॥
सुखं भवतु मे भगवन् ॥ सुखं भवतु मे भगवन् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनस्य सन्निधौ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य च
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 सकृदपि तस्मात्पुत्रस्तस्मादात्मनः
 उग्रहृत् ॥ १ ॥

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

公

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥

ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ
 ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ
 ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ
 ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ
 ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ ਤਸੀਹਾ

१०-२० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
२०-३० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
३०-४० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
४०-५० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
५०-६० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
६०-७० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
७०-८० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
८०-९० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०
९०-१०० : प्रसादपत्र पत्रिका वि. सु. दि. २०-२०

८५

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वव्याधिविनाशक ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥

ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ ਅੰਤਰ੍ਯੁਕਤਵੰਸ਼ਾਦ
ਉਥਾ ਬਹੁਲਾਦਿਤਾ ਪ੍ਰਕਰਣਾਦਿਤਾ ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ
ਅੰਤਰ੍ਯੁਕਤਵੰਸ਼ਾਦਿਤਾ ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ
ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ
ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ
ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ
ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ
ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ ਸ੍ਰੋਤਾਸ੍ਤੁਤੁਕੁੰਤਾ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीसुत उवाच ॥
 तत्रैव यथा कुरुते तदा
 विद्वत्पुत्रो ज्ञानवान् ॥
 त्रिंशत्तमोऽध्यायः ॥

ॐ

महेश्वर

शिव

कृष्ण

महेश्वर

शिव

कृष्ण

महेश्वर

शिव

कृष्ण

महेश्वर

शिव

महेश्वर

शिव

कृष्ण

महेश्वर

शिव

कृष्ण

महेश्वर

शिव

महोपाध्याय श्री १०८ श्री गुरुदेव ज्ञानदायक
श्री गुरुदेव ज्ञानदायक श्री गुरुदेव ज्ञानदायक
श्री गुरुदेव ज्ञानदायक श्री गुरुदेव ज्ञानदायक
श्री गुरुदेव ज्ञानदायक श्री गुरुदेव ज्ञानदायक
श्री गुरुदेव ज्ञानदायक श्री गुरुदेव ज्ञानदायक
श्री गुरुदेव ज्ञानदायक श्री गुरुदेव ज्ञानदायक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्याय १० ॥
 अथ योगो नाम ध्यानं ॥ १ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ २ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ ३ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ ४ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ ५ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ ६ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ ७ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ ८ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ ९ ॥
 ध्यायेत्तु भगवत्पदं ॥ १० ॥

